Prepp
Your Personal Exams Guide

Total No. of Printed Pages — 2

410010

CCSME23

PAPER / पत्र – II

KURMALI LANGUAGE AND LITERATURE

कुरमाली भाषा एवं साहित्य

SUBJECT CODE / विषय कोड : 08

Full Marks : 150 **Time : 3 Hours**

पूर्णांक : 150 **समय : 3 घण्टे**

निर्देश :

खँच दुइ खाँधाइ आहेइक । खाँधा—'क' माहान **4** खँच आर खाँधा—'ख' माहान **4** खँच आहेइक। खाँधा—'क' कर खँच (सवाल) **1** आर खाँधा—'ख' कर खँच (सवाल) **5** जरूरी (अनिवार्य) हेकेइक। जरूरी खँचगिला के छाड़ीकुहुन पेति खाँधा ले कम से कम एकटा खँचेक (सवालेक) चाल देवेक आहेइक। सभ मिलाइकुहुन **6** टा खँचेक (सवालेक) चाल देहाक।

खाँधा—'क'

1. कन्ऽ **पाँचटा** खँचेक चाल (उत्तर) देहाक : **7×5=35**

(क) कुरमाली भाषा-साहित्य कर मटामटि परिचय देहाक।

(ख) कुरमाली लेखा कर बाचिक निमुँद देइ कुहुन लिखा।

(ग) कुरमाली गइद साहित्य माहान नावा-विधा कर अभाभ आहेइक। केसे ?

(घ) गुनिन सरान कर बाचिक निमुँद देइकुहुन सर करा।

(ङ) कुरमाली शिष्ट साहित्य कर विकास कर बाचिक देहाक।

(च) टुम कर बाचिक निमुँद देइकुहुन लिखा।

(छ) कुरमाली व्याकरन लेखन-परंपराक मटामटि परिचय देहाक।

Prepp
Your Personal Exams Guide

Marks
अंक

2. कुरमाली साहित्य कर काल विभाजन टाके निखराय कुहुन लिखा। 20

3. 'कुरमाली लोकगीत माहान प्रकृति बेसी भागे आहेइक।' कैसे? 20

4. व्याख्या करा। 20

'बाबा बनऽ माझे फूटलऽ धधकी फूला
हाय रे बना शोभी गेला रे,
बाबा धारा माझे बेटि जनम लेला
हाय रे बना शोभी गेला रे
बाबा बाने, बातासे फूला झाड़ी गेला
हाय रे बना शून्य भेला रे
बाबा डेड़िया फाँदाएँ बेटि चली गेला
हाय रे धारा शून्य भेला रे।'

खाँधा—'ख'

5. कनऽ **पाँचटा** खँचेक (सवालेक) चाल देहाक : 7×5=35

(क) सुरेन्द्रनाथ महतो कर कुरमाली साहित्येक विकास माहान किना जगदान आहेन?

(ख) कुरमाली लोकगीतेक बाचिक देहाक आर इकर बिसेसता के सर कराहाक।

(ग) 'आखाइन जातरा' कबे हेइक? कुरमाली चार माहान एकर किना महत आहेइक?

(घ) हारुप पखेइर कबे हेइक आर इकर किना सामाजिक मान्यता आहेइक? निखरावा।

(ङ) केशवचन्द्र महतो कर 'एक ठपा सिंदुर' कविताटाक भाभ सर करा।

(च) 'पीतर पिंधा' नेग कबे हेइक? निमुँद देइकुहुन बरनन करा।

(छ) कुरमाली आहनाकर निमुँद देइकुहुन बाचिक देहाक।

6. जलवायु परिवर्तन एखन एकटा बड़ऽ समस्या हेकेइक? कैसे? 20

7. कुरमालीक पारम्परिक नृत्य कर बरनन करा। 20

8. कुरमाली साहित्य कर इतिहास माहान भकतिकाल टाके 'स्वर्णकाल' कहल गेल आहेइक? काहे? 20

★★★